15

नई वाचा

(8:6-13)

हम में से अधिकतर लोग जानते हैं[1] कि ''पुराना नियम'' और ''नया नियम'' दोनों शब्दों में पुराना नियम यहूदियों के लिए था, जबकि नया नियम मसीही लोगों के लिए, परन्तु इन नियमों के बारे में कुछ लोग केवल इतना ही जानते हैं। परन्तु अनुवादित शब्द ''नियम'' (और कई बार ''वाचा'') की सुन्दर अवधारणाएं ऐसी अवधारणाएं हैं जिन्हें हमें चूकना नहीं चाहिए। अध्याय 8 के अन्तिम भाग में इब्रानियों के लेखक ने *नये नियम अर्थात* नई *वाचा* की बात की।

एक *नई* वाचा

यह एक वाचा है

शायद हमें पहले ''वाचा'' शब्द पर ज़ोर देना चाहिए। NASB में अनुवादित शब्द ''वाचा'' का अनुवाद KJV में कई बार ''वाचा'' और कई बार ''नियम'' किया गया है। दोनों शब्द एक ही यूनानी शब्द से अनुवाद किए गए हैं, जिस कारण ''वाचा'' शायद बेहतर अनुवाद है।[2] बाइबल में ''पुराना नियम'' और ''नया नियम'' के बजाय ''पुरानी वाचा'' और ''नई वाचा'' (इब्रानियों 8:13; देखें 8:8; 9:15; 12:24) या ''पहली वाचा'' और ''दूसरी वाचा'' (8:7; देखें 9:1, 15, 18) जैसे वाक्यांशों का इस्तेमाल हुआ है।

इस संदर्भ में यूनानी शब्द का अनुवाद ''वाचा'' है ''वाचा'' (*suntheke*) के लिए सामान्य यूनानी शब्द नहीं है बल्कि यहां इस्तेमाल शब्द (*diatheke*) आम तौर पर वसीयत के लिए है।[3] वाचा की बात करते हुए हमारे ध्यान में आम तौर पर दो पक्षों के बीच होने वाला समझौता होता है। एक अर्थ में नई वाचा यह है कि हम परमेश्वर की इच्छा पूरी करने को सहमत होते हैं और परमेश्वर हमें आशीष देने की प्रतिज्ञा करता है। परन्तु मानवीय वाचाओं या अनुबन्धों में आम तौर पर कोई समझौता किए जाने से पहले सौदेबाजी होती है। पुरानी वाचा के मामले में ऐसा नहीं था और न ही नई वाचा में ऐसा है। पुरानी वाचा की शर्तों में इस्राएलियों की कोई बात नहीं है और नई वाचा की शर्तों में आपकी और मेरी कोई बात नहीं है। इस सम्बन्ध में नई वाचा मसीहियत के जैसे अधिक है (देखें 9:16, 17) जिसमें वसीयत के लाभपात्र मसीहियत की शर्तों से सहमत या असहमत हो सकते हैं पर वे उसे बदल नहीं सकते।

यह नई है

फिर हमें मसीह की वाचा के नयेपन पर ज़ोर देना आवश्यक है। अनुवादित शब्द ''नया'' (*kainos*) का अर्थ पुराने के विपरीत [एक] अलग स्वभाव के रूप या गुण के रूप में ''नया

है।'' [4] नई वाचा पुरानी वाचा का सुधरा हुआ संस्करण नहीं है, बल्कि यह वाचा की एक नई किस्म है।

लेखक ने यह दिखाने के लिए कि *नई* वाचा परमेश्वर की योजना का भाग थी, यिर्मयाह 31:31-34 उद्धृत किया: ''देखो, वे दिन आते हैं, कि मैं इस्राएल के घराने के साथ, यहूदा के घराने के साथ, नई वाचा बान्धूंगा'' (8:8; देखें यिर्मयाह 31:31)। इस्राएल और यहूदा सुलैमान राजा की मृत्यु के बाद विभाजित इस्राएल देश के दो अलग राज्य बन गए थे। कइयों को लगता है कि मूल में यिर्मयाह वाली प्रतिज्ञा यहूदियों के हृदय परिवर्तन की बात करती है जो दासता में उनके ले जाने से होना था। ऐसा है या नहीं पर यह एक भविष्यवाणी है जो पुराने नियम के समयों में पूर्ण रूप में पूरी नहीं हुई थी। इब्रानियों की पुस्तक के लेखक ने मसीह की नई वाचा में इसके पूर्ण और अन्तिम रूप में पूरा होने के रूप में सही व्याख्या थी।

नई वाचा की विशेषताएं

नई वाचा की मुख्य विशेषता यह है कि यह *उत्तम* है (7:22)। उत्तम इसलिए क्योंकि इसमें उत्तम मध्यस्थ अर्थात यीशु है (8:6क; देखें गलातियों 3:19), और उत्तम इसलिए है क्योंकि यह उत्तम प्रतिज्ञाओं पर बनी है (8:6)। एक और विशेषता (जैसा अभी देख गया है) कि यह *नई* है। हमारा वचन पाठ कुछ अतिरिक्त विशेषताओं का सुझाव भी देता है।

एक दोषरहित वाचा

पुरानी वाचा के विपरीत नई वाचा इस बात में दोष रहित है (8:7) कि यह लोगों को पक्के तौर पर परमेश्वर की संगति में लाती है। इसमें कोई खोट नहीं है और यह हमारी कमियों के लिए उपाय करती है।

एक आत्मिक वाचा

यह आत्मिक लोगों (अर्थात कलीसिया; देखें 1 पतरस 2:9, 10) के साथ एक आत्मिक वाचा है। यिर्मयाह के लिखने के समय इस्राएल का उत्तरी राज्य अश्शूर की दासता में ले जाया गया था और यहूदा के दक्षिणी राज्य में भी थोड़ी देर बाद ही बाबुल की दासता में ले जाए जाना था। पवित्र आत्मा की प्रेरणा से एक अर्थ में इब्रानियों की पुस्तक के लेखक ने कहा कि यह भविष्यवाणी मुख्यतया यहूदा और इस्राएल के उन लोगों के लिए नहीं थी जो अन्त में दासता से लौट आए थे बल्कि यह अब्राहम की *आत्मिक* सन्तान (देखें गलातियों 3:29) अर्थात मसीही लोगों के लिए थी।

एक भीतरी वाचा

यह एक भीतरी वाचा है (इब्रानियों 8:10)। हृदय के धर्म की आवश्यकता पर यिर्मयाह को बहुत कुछ करना था (देखें यिर्मयाह 4:4, 14; 5:24; 24:7; 29:13)। योशिय्याह के सुधार के कारण पुरानी वाचा के कई बाहरी संस्कारों को देखा जा रहा था; परन्तु लोग अभी भी हृदय की अनदेखी कर रहे थे। नई वाचा हृदय पर लिखी जानी थी (देखें 2 कुरिन्थियों 3)।

एक व्यक्तिगत वाचा

यह एक व्यक्तिगत वाचा है। 8:10 के अन्त में बताई गई प्रतिज्ञा निर्गमन 34:7 में इस्राएलियों के साथ की गई और यिर्मयाह 31:31-34 में नये सिरे से की गई प्रतिज्ञा थी। परन्तु आज्ञा न मानने के कारण कभी इस पर अमल नहीं हुआ (इब्रानियों 8:9ख)। अन्त में यह पूर्ण रूप में मसीहियत में लागू होनी थी (देखें प्रकाशितवाक्य 21:7)। इस वाचा के व्यक्तिगत होने पर ज़ोर इब्रानियों 8:11 के ''जानना'' शब्द में मिलता है: ''यहां प्रभु को 'जानना' का अर्थ उसके साथ निकटतम, व्यक्तिगत सम्बन्ध का होना है।''[5]

एक सुविज्ञ वाचा

यह एक सुविज्ञ वाचा है (आयत 11)। यिर्मयाह परमेश्वर के लोगों की आत्मिक अज्ञानता से तंग आ गया था (देखें यिर्मयाह 3:15; 10:14; 51:17)। नई वाचा में ''छोटे से लेकर बड़े तक'' सब ने परमेश्वर को जानना था। यह ऐसी प्रतिज्ञा है जिसे पुराने नियम में पूरा नहीं किया जा सकता था, क्योंकि उसमें परमेश्वर के साथ वाचा के सम्बन्ध में प्रवेश करने वाले यहूदी बालक ही थे। जन्म और खतने की रीति के द्वारा वे केवल कुछ दिन के होने पर परमेश्वर के लोग बन जाते थे; परन्तु बाद में उन्हें प्रभु को जानना *सिखाया जाना आवश्यक था*। यह प्रतिज्ञा मसीहियत में पूरी *हो सकती* है, क्योंकि परमेश्वर के साथ वाचा में प्रवेश करने या न करने का निर्णय लेने से पहले व्यक्ति को इतना ज्ञान और परिपक्व होना आवश्यक है; उसे उस सम्बन्ध में प्रवेश करने से *पहले* सिखाया जाता है (देखें मत्ती 28:18-20; मरकुस 16:15, 16; यूहन्ना 1:12, 13; 6:44, 45)।

एक छुटकारा दिलाने वाली वाचा

यह एक छुटकारा दिलाने वाली वाचा है (इब्रानियों 8:12)। पुरानी वाचा में क्षमा की बात तो थी पर यह क्षमा अस्थाई थी (10:3, 4) जो सिद्ध बलिदान की राह देखती थी (देखें 9:15)। केवल नई वाचा में ही परमेश्वर कहता है, ''मैं उनके पापों को, और उनके अधर्म के कामों को फिर कभी स्मरण न करूंगा'' (10:17)।

एक बनी रहने वाली वाचा

पुरानी वाचा के विपरीत यह एक बनी रहने वाली वाचा अर्थात स्थिर वाचा है (8:13)। आज नई वाचा वास्तव में इब्रानियों की पुस्तक के लिखे जाने के समय की पुरानी वाचा से पुरानी है। यह बहुत देर से, पर आज भी यह *नई* है। यह आज और कल और प्रभु के आने तक के लिए परमेश्वर की अद्‌भुत नई वाचा है।

आप के लिए एक वाचा

मत्ती से प्रकाशितवाक्य की पुस्तकों को हम नया नियम या नई वाचा का नाम देते हैं। परन्तु हमें यह समझने की आवश्यकता है कि जब तक हम इसकी शर्तों को मानते और प्रभु के साथ वाचा के सम्बन्ध में प्रवेश नहीं करते हैं तब तक वास्तव में यह *हमारे लिए* नई वाचा नहीं है।

2 कुरिन्थियों 3 में पौलुस की शब्दावली का इस्तेमाल करें तो हम कह सकते हैं कि जब तक यह केवल कागज के टुकड़े पर छपे शब्द हैं तब तक यह वाचा नहीं है; वाचा यह तभी बनती है जब यह हमारे हृदयों पर लिखी जाती है (देखें आयत 3)।

आम तौर पर सबक इस प्रश्न के साथ समाप्त होते हैं कि ''क्या आप मसीही हैं?'' मैं इस पाठ को थोड़ा अलग प्रश्न के साथ समाप्त करना चाहता हूं: ''क्या आप परमेश्वर के साथ वाचा के सम्बन्ध में हैं?'' परमेश्वर आपको आशीष देना चाहता है, पर आपका उसकी शर्तों को स्वीकार करना या न करना आप पर निर्भर करता है।

टिप्पणियां

[1]यह कथन उन लोगों पर लागू होता है जिन्हें मैं पढ़ाता हूं। आप अपने छात्रों के लिए आवश्यक विचार बना सकते हैं। [2]मेरे गुरु, नील आर. लाइटफुट, का मानना था कि इब्रानियों 9:16, 17 के अलावा इस शब्द का अनुवाद ''वाचा'' होना चाहिए। [3]यह शब्द मुख्तया '' 'वसीयत या किसी और लेख के द्वारा सम्पत्ति के हस्तांतरण' को चिह्नित करता है'' (डब्ल्यू. ई. वाइन, मैरिल एफ़. अंगर, एंड विलियम व्हाइट, जूनि., *वाइन'स कम्पलीट डिक्शनरी ऑफ ओल्ड एंड न्यू टैस्टामेंट वर्ड्स* [नैशविल्ले: थॉमस नेल्सन पब्लिशर्स, 1985], 135)। [4]वही, 430–31. [5]जॉन विलिस, *माई सरवेंट द प्रोफेट,* अंक 3 (अबिलेन, टैक्सस: बिब्लिकल रिसर्च प्रैस, 1972), 74.